HARYANA COLLEGE TEACHERS' ASSOCIATION

Regd. No. 185

President
Dr. Rajbir Parasar
RKSD College, Kaithal
Mob: 9416383294

General Secretary
Dr. Narender Singh
Vaish College, Bhiwani
Mob: 9813326900

Ref. No:- C-V/12 Dated: 21.07.2012

For circulation among the unit members

साथियो,

नमस्कार, नए सत्र के शुभारम्भ पर आपको शुभकामनाएं। साथियो,15 जुलाई 2012 को **HCTA (EC)** की मिटिंग खालसा कॉलेज, करनाल में हुई। मैं सबसे पहले करनाल के साथियों विशेषकर खालसा कॉलेज़ के साथियो का उनके द्वारा किए गए प्रबन्ध के लिए धन्यवाद करना चाहता हूँ, कि इतने कम समय के अन्दर साथियों ने, हमारी प्रार्थना स्वीकार करते हुए, जो आदर–सत्कार किया वह प्रशंसनीय था।

साथियों **EC** सदस्यों ने हरियाणा की उच्चतर शिक्षा के हालात पर काफी विस्तार से चर्चा करते हुए यह निष्कर्ष निकाला कि हरियाणा की शिक्षा प्रणाली में जिस गुणात्मक सुधार की आवश्यकता है उस पर सरकार तथा प्रशासनिक अधिकारियों का ध्यान नहीं हैं। हरियाणा को आवश्यकता है समय के अनुरुप शिक्षा पद्धति में परिवर्तन की ताकि विद्यार्थी के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास के साथ–साथ शिक्षा रोजगारपरक भी हो जिससे विद्यार्थी को स्पष्ट हो कि वह शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात समाज और अर्थव्यवस्था में अपना स्थान कहा पर सुनिश्चित करेगा, जिससे कि उसका विश्वास इस व्यवस्था में बना रहे और वह शैक्षणिक गतिविधियों में अधिक रुचि लेते हुए इसकी उपयोगिता को समझे। साथियों, इस दौर में जब प्रशासन का यह एजेण्डा नहीं है तो हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि हम मिलकर शिक्षा के इस ढांचे को बनाए रखने के साथ–साथ अधिक मजबूती प्रदान करें।

यहाँ मैं यह कहना चाहूँगा कि राज्य के अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों की शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामाजिक विकास में उल्लेखनीय भूमिका सदैव रही है। इन संस्थाओं में कार्यरत शिक्षक शिक्षा के निरंतर विकास और इसे समसामयिक उपयोगी बनाने के प्रयास करते रहे हैं। वर्तमान भूमंडलीकृत विश्व में उच्चतर शिक्षा के समक्ष अनेक चुनौतियां हैं तथा विद्यार्थियों के लिए यह गला काट प्रतियोगिता का दौर है। मित्रों ऐसे में समाज की अपेक्षाएं हम लोगों से बढ़ जाती हैं। यह समय का तकाजा है कि हम भी अपनी कर्तव्यनिष्ठा, समर्पणभावना और कर्मठता से समाज की अपेक्षाओं पर खरे उतरें। वास्तव में हमारी वर्तमान समस्याओं के समाधान का रास्ता भी हमारी उपयोगिता से जुड़ा हुआ है।

साथियों आपको याद है कि हरियाणा सरकार ने आपके द्वारा किये गए दो आंदोलन (2009 तथा 2011) के दबाव के चलते 21 जुलाई 2011 को यूजीसी नोटिफिकेशन को आधार बनाकर अपना एक नोटिफिकेशन जारी किया। जिसके कुछ अहम पहलुओं को एक साल गुजर जाने के बाद भी लागू नहीं किया गया है। **HCTA** केंद्रीय नेतृत्व की प्रशासनिक अधिकारियों से लगातार बातचीत हुई, बार–बार इन समस्याओं के जल्द समाधान का आश्वासन मिला लेकिन अभी तक उनपर क्रियान्वन नहीं हुआ। आश्वासन पर आश्वासन मिलते रहे और शिथिल आश्वासनों की आशा में एक वर्ष

बीत गया। सरकार की इस अपेक्षा ने शिक्षक समाज को विरोध का मार्ग अपनाने के लिए विवश किया इसलिए इसकी पहली बरसी को विरोध दिवस के रूप में, 1 अगस्त 2012 को 'काले बिल्ले' लगाते हुए मनाया जाए। अगर सरकार इस पर भी नहीं मानती है तो 13 अगस्त 2012 को यूनिट के स्तर पर सुबह 10 बजे से लेकर 1 बजे तक धरना दें तथा DC/SDM के माध्यम से CM हरियाणा सरकार के नाम ज्ञापन सौंपें।

साथियों इन विरोध प्रदर्शनों में हमारी मुख्य मांगें इस प्रकार हैं

1. 2006 के बाद पीएच.डी. तथा एम.फिल. करके सेवा में आये शिक्षकों को अग्रिम वेतन वृद्धि का लाभ।
2. प्रमोशन के लिए API व्यवस्था को तैयार करना और जब तक तैयार न हो तब तक इससे छूट देना।
3. कालेजों के अंदर प्रोफेसर के पद सृजित करना।
4. सेवानिवृत्ति की आयुसीमा बढ़ाकर 65 वर्ष करना।
5. 2006 के बाद की पेंशन स्कीम के अंदर सरकार का हिस्सा डालना।
6. कालेजों में शिक्षक को एक आधारभूत ढांचा प्रदान करना। जिसमें लाइब्रेरी, स्टाफरुम इत्यादि का प्रबंध करना।
7. यूजी.सी. दिशा निर्देशानुसार 23890 की फिक्शेसन करना।

सांगठनिक मुद्दों पर चर्चा करते हुए EC ने सर्वसम्मति से यह फैसला किया कि हमें अपनी Unit को ज्यादा सक्रिय तथा मजबूत बनाना होगा। इसके लिए HCTA के नौ जोन की जोनल मीटिंग तय की गई है जिनके अन्दर जोन के office bearer साथी अपनी यूनिट की मेम्बरशिप फीस तथा यूनिट के सदस्यों के ब्योरे के साथ आएं। जोनों की बैठकों का कार्यक्रम इस प्रकार रहेगा।

1	अंबाला जोन	–	24 जुलाई
2	यमुनानगर	–	25 जुलाई
3	कुरुक्षेत्र	–	31 जुलाई
4	करनाल	–	3 अगस्त
5	रोहतक	–	7 अगस्त
6	भिवानी	–	4 अगस्त
7	फरीदाबाद	–	6 अगस्त
8	सोनीपत	–	8 अगस्त
9	हिसार	–	14 अगस्त

साथियों से अपील है कि अपनी खण्ड स्तरीय मीटिंगों के अन्दर अधिक से अधिक संख्या में पंहुचें और इनको कामयाब बनाएं।

वर्ष 2012 शिक्षक आंद्रोलन में एक विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह AIFUCTO का स्वर्ण जयंती वर्ष है। AIFUCTO ने उच्चतर शिक्षा के शिक्षकों को उचित गरिमा और सम्मान दिलाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है जिसके लिए शिक्षक समाज AIFUCTO का सदैव अभिनंदन करता है। इसलिए हरियाणा के सभी शिक्षण संगठनों ने AIFUCTO की स्वर्ण जयंती को उत्साहपूर्वक मनाने का निर्णय लिया है।

साथियों EC में DAV कालेज पुंडरी के हालात पर भी काफी विस्तार से चर्चा की तथा इस निष्कर्ष पर पंहुचे कि साथी डॉ0 नरेशपाल, डॉ0 अशोक तथा डॉ0 राजेश तुरान की संगठन विरोधी गतिविधियों तथा असहयोगात्मक रवैये के चलते डॉ0 नरेश पाल को कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी की कोर्ट के लीडर के पद से मुक्त

किया जाता है तथा डॉ0 अशोक को कुरुक्षेत्र जोन के सचिव पद से बर्खास्त करते हुए कुरुक्षेत्र जोनल काऊंसिल को यह हिदायत करते हैं कि नये सचिव का चुनाव करें।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के स्तर पर कई मुद्दे काफी समय से लंबित पड़े हैं। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रशासन इनको पूरा करने में कोई रुचि नहीं ले रहा है। अक्टूबर 2011 से लेकर अबतक कई बार प्रशासन से बातचीत हो चुकी है परंतु कोई समाधान नहीं निकला। इसलिए **HCTA** ने **31 जुलाई 2012** को कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी वाइस चांसलर आफिस पर धरने का प्रोग्राम किया है, जिसमें कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी से संबंधित सभी कॉलेजों से यूनिट के आफिस बीयरर तथा **HCTA EC,** केयू कोर्ट तथा **AC** के सदस्य हिस्सा लेंगे। धरने का समय सुबह 10 से लेकर 1 बजे तक रहेगा।

क्रांतिकारी संद्भावनाओं और मंगल संभावनाओं सहित।

(डॉ0 नरेन्द्र सिंह)